Antarvasna™
अन्तर्वासना

मैं कॉलगर्ल कैसे बन गई-4

“मेरी चुत मूसल लंड खा कर भी अभी भी पूरी तरह से खुली नहीं थी. उसने फिर से मुझे चित लिटाया और लौड़ा सैट करके एक ही झटके में अपने को मेरी नन्हीं सी चुत में अन्दर कर पेलना चाहा. मगर वो जब नहीं गया तो वो पागल सा हो गया, उसने अपने खड़े लंड पर कोई जैली को लगाया और ऐसे बोला जैसे कि वो मेरी चुत से बात कर रहा हो- मेरी मलिका तुम्हें तुम्हारा किंग याद कर रहा है.. इसे अपने आगोश में छुपा लो रानी. …”

Story By: xxx bhabi (xxxbhabi1990)
Posted: सोमवार, मई 21st, 2018
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: मैं कॉलगर्ल कैसे बन गई-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं कॉलगर्ल कैसे बन गई-4

अब तक आपने पढ़ा था कि अशोक ने मेरी सील तोड़ दी थी और चुदाई चालू थी.

> मैं दर्द से चिल्ला रही थी. इस पर अशोक ने मेरे मुँह पर अपनी चड्डी घुसा कर मेरा मुँह बंद कर दिया. मैं अब चिल्ला भी नहीं सकती थी मगर दर्द से पूरी तरह मरी जा रही थी. अशोक ने अपने लंड का टोपा बाहर निकाल कर फिर से एक जोरदार ऐसा झटका मारा कि उस आधा लंड मेरी चुत में घुस गया. मैं माओ बेहोश हो गई. मेरी आवाज गले में ही घुट गई थी. आँखें फ़ैल गई थीं.
>
> अब तो उस पर मानो भूत सवार हो गया था. उसने एक और झटका मारा. इस बार उसका लंड करीब तीन चौथाई अन्दर चला गया था. वो शायद थक गया था या उसके लंड में जलन होने लगी थी. इसलिए वो 2 मिनट तक शांत रहा मगर फिर एक जोरदार कसके झटका मारा. इस बार पूरा लौड़ा मेरी चुत में जड़ तक घुस चुका था. वो पूरा दरिन्दा बना हुआ था. मेरी चुत से खून जो निकला था, वो शायद बंद हो गया था मगर दर्द बहुत हो रहा था और मैं तड़फ रही थी.
>
> इसके बाद उसने आधा लंड बाहर निकाल कर जोर से झटका मार कर अन्दर कर दिया और अब वो बार बार लंड को अन्दर बाहर करने लगा.
>
> मुझे मालूम तो था कि पहली चुदाई में ये सब दर्द होना ही था, मगर मुझे पैसे के लिए ये सब करना पड़ रहा था.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब आगे..

मैं तो लगभग बेहोश हो गई थी. उसने मेरे मम्मों को जोर जोर से दबाना शुरू कर दिया और उनकी घुंडियों को काटना शुरू कर दिया.

बीच बीच में मम्मों को काटता भी जा रहा था, जिससे उसके दांतों के निशान भी पड़ गए होंगे, मगर मैं उन निशानों को अभी देख तो सकती नहीं थी सिर्फ महसूस कर रही थी कि क्या हुआ होगा इन बेचारे मम्मों के साथ. जिन मम्मों को आज तक किसी ने हाथ भी नहीं लगाया था.. आज वो मेरी मजबूरी में इस कसाई के हाथ लग गए हैं और बिना हलाल हुए नहीं छूटेंगे.

जब अशोक अपने लंड का पानी निकालने वाला था तो उसने लौड़ा चुत से निकाल कर मेरे मम्मों के बीच में रख कर मुझे बूब फक करते हुए चोदा. कुछ ही झकों में उसके लंड का लावा सीधा मेरे मुँह पर जा गिरा. मैं इस पिचकारी के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी और मुँह मेरा खुला हुआ था.

जैसे ही उसके लंड का पनी निकला तो उसने अपने हाथों से मेरा मुँह तो जबरदस्ती खोल दिया और पूरा माल मारे मुँह में चला गया. मैं उसको थूकना चाहती थी मगर अशोक मेरे को लंड का वीर्य पिलाना चाहता था. इसलिए उसने एक हाथ से मेरी नाक को बंद कर दिया. अब मेरी सांस रुकने लगी तो जैसे ही मैंने मुँह से सांस लेने की कोशिश की तो उसका सारा माल मेरे अन्दर चला गया.

मुझे अपने आप से बहुत घिन हो रही थी.. मगर कुछ कर नहीं सकती थी. वो बोला कि अगर में चाहता तो तेरी चुत में भी वीर्य डाल सकता था मगर मुझे पता है कि 9 महीने वाली प्राब्लम हो सकती है इसीलिए मैंने तुम्हारा मुँह चुना था. मैं नहीं चाहता कि मेरा माल इधर उधर खराब जाए. अब उठो और जा कर बाथरूम में वॉश करके पूरे कपड़े डाल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लो, जो तुम्हें कुसुम ने दिए थे. मैं उनमें तुम्हें देखना चाहता हूँ.. हां ! तुम बाथ करके आओ, यहीं पर मैं तुम्हें तुम्हारे कपड़े दूँगा मगर वो सब तुमको मेरे सामने ही पहनने होंगे. क्योंकि तुम्हें नंगी करने का आज तो मुझे पूरा हक़ है.

उसका 7″ लंबा और 3″ मोटा (डायामीटर) मेरी अनचुदी चुत में 15 से 20 मिनट तक अपना काम करता रहा था, इस वजह से उसके मूसल लंड को झेल कर मेरे शरीर में दम ही नहीं बचा था. आख़िर में मैं जैसे तैसे उठी और बाथरूम में चली गई. मैंने गले में उंगली मार कर उल्टी करने की कोशिश की मगर कुछ ना हुआ, उसका पानी मैं ना निकल सकी.

जब बाहर आई तो अशोक बैठा हुआ था और बोला- इधर आओ और यह अपने कपड़े लो.. मगर उससे पहले मेरे इस लंड को चूसो. जो तुम्हें छोड़ कर ढीला हो गया है. इसे खड़ा करना अब तुम्हारा काम है.. और हां पूरी रात तुम्हारी चुदाई करनी है, जब जब इस का पानी निकलेगा तो तुम्हें पीना पड़ेगा, नहीं तो मैं चुत को ही भर दूँगा.. जो किसी भी तरह से तुम्हारे हित में नहीं है. इसलिए ज़्यादा ना नुकर तो करना नहीं. मैं जो चाहता हूँ.. कर ही लेता हूँ.

अब मैं एक जिंदा रोबोट बन चुकी थी और उसका लंड मुँह मिनट डाल कर चूसने लगी. लंड तो एक मिनट ही चूसा होगा.. वो तो अपनी औकात दिखाने लगा. उसका लंड मेरे मुँह से बाहर आने लगा. कोई 3-4 मिनट बाद लंड मेरी चुत में जाने के लिए फिर से तैयार था.

जैसे ही लंड लौड़ा बन गया तो वो बोला- हां अब तुम अपने कपड़े डाल लो ख़ासकर अपनी ब्रा और पैंटी जो सेमी मेटल की बनी है.. उसे पहने रहो, बाकी सब उतार दो.

मैं ब्रा डालने लगी मगर जैसे मैं बता चुकी हूँ. उसमें बस निप्पल ही छुप सकते थे और पूरे मम्मे नंगे रहते थे. बस यूं समझ लो कि एक रस्सी थी जो निप्पल तब दिखती थी, जब उसको कसके अपने निप्पलों पर रखूं. पैंटी तो पेंटी के नाम पर एक पूरा डब्बा था. वो मेटल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की थी, जिस पर मुलायम कपड़ा चढ़ा हुआ था और पूरा जोर लगा कर टांगों के बीच से चुत पर रखनी थी. पीछे गांड पर कुछ नहीं दो स्प्रिंग थीं, जो गांड से कुछ दूर ही रहते थे. मतलब कि चुत पर चुत जितना ही कवर और गांड पूरी नंगी थी. अगर वो चाहे तो गांड में उंगली या अपना लंड भी डाल सकता था.

जैसे ही मैंने कपड़े डाले, मतलब कि ब्रा और चुत का कवर पहना, उसका लंड मुझे देख कर फुंफकार मारने लगा.
लंड को हिलता देख कर मुझे थोड़ी मुस्कान सी आ गई.
वो बोला- जानेमन किधर और कहां पर छुपी थीं अब तक.
मैं बोली- कहीं नहीं.

उसके बाद उसने फिर से मेरे मुँह से अपने लंड की चुसाई करवाई और बोला कि जब मेरा लौड़ा ढीला होगा तब तक चूस रानी.

मुझे फिर से उसके लंड का पानी पीना पड़ा मगर अब मैं उतनी परेशान नहीं थी जितनी फर्स्ट टाइम हुई थी. मुझे अब मजा आने लगा था.
अशोक बोला- ओके अब डिनर करना है.
मैंने सोचा कि चलो अब कपड़े पहनने होंगें.

तभी वो बोला- इसी हालत में रहना है.. मतलब की नंगी ही चलोगी डाइनिंग हॉल में.. या यहीं पर करोगी ?
मैंने कहा- क्यों मुझ ग़रीब को अपने स्टाफ के सामने जलील करना चाहते हो.
वो बोला- नहीं बस डिनर लगा कर वे सब चले जाएंगे, वहां कोई नहीं रहेगा.
मैंने कहा- ठीक है, चलो.

फिर हम दोनों डिनर करके वापिस आए तो मुझे नींद आने लगी. वो समझ चुका था कि मेरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुदाई अच्छी तरह से हुई है और मुझे नींद आ रही है. वो मुझको पकड़ कर बोला- मैडम, आज सोने का दिन नहीं है, आज पूरी रात चुदाई का जागरण होगा. मैं तुम्हें सुबह 7 बजे ही छोड़ूँगा क्योंकि तुम 7 बजे मेरे पास आई थीं.

मैं कुछ नहीं बोल पाई तो बोला- आओ इधर और सीधी खड़ी हो जाओ और कुछ डांस करके दिखाओ जो कुछ देर पहले तुमको कुसुम ने सिखाया था.. और हां तुम्हारे कपड़े तो सिर्फ़ नाम के ही लिए हैं.. इसलिए इनको उतारने की जरूरत नहीं है. मैं खुद उतार दूँगा.

मैं पेट को हिला हिला कर अपनी चुत उसके पास करती रही.

इस पर वो बोला- पास आओ जरा मैं इस स्प्रिंग को नीच कर दूं ताकि मुझे अपने किंग की क्वीन नजर आती रहे. आख़िर उसी को तो क्वीन के किले में जाकर हमला करना है ना.

फिर 10-15 मिनट बाद उसने मुझे खींच कर अपनी गोद में डाल लिया और मेरे मम्मों को बुरी तरह से मसलने लगा. मेरे मम्मों को मसलते हुए अशोक बोल रहा था कि आह क्या सॉलिड माल मिला है आज..

वो बिना ब्रा खोले ही मेरे दूध मसल रहा था. क्योंकि 95% मम्मे तो नंगे ही थे बस चुचियों के अंगूर ही तो कवर्ड थे. वो मेरे चूचों पर कोई रहम नहीं करने वाला था क्योंकि वो मेरे चुचों के अंगूरों के कवर्स को खींच खींच कर ऊपर लेकर छोड़ता था, इससे मुझे बहुत दर्द होता था.

फिर उसको पता नहीं क्या सूझी, उसने कवर के साथ ही मेरे चूचकों को काटना शुरू कर दिया. मैं हाथ जोड़ती रही प्लीज काटो मत.. बस और जो करना है कर लो.
वो बोला- चुपचाप को-ऑपरेट करो… वरना तेरे इन मस्त मम्मों पर दांतों के निशान भी बना दूंगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ देर तक इसी तरह करने के बाद उसने उस नाम की ब्रा को भी उतार दिया और बोला- चलो बेड पर.

मेरी चुत उसका मूसल लंड खा कर भी अभी भी पूरी तरह से खुली नहीं थी. उसने इस बार फिर से मुझे चित लिटाया और लौड़ा सैट करके एक ही झटके में अपने को मेरी नन्हीं सी चुत में अन्दर कर पेलना चाहा. मगर वो जब नहीं गया तो वो पूरा पागल सा हो गया था. उसने अपने खड़े लंड पर तेल की तरह कोई जैली को लगाया और ऐसे बोला जैसे कि वो मेरी चुत से बात कर रहा हो- मेरी मलिका तुम्हें तुम्हारा किंग याद कर रहा है.. इसे अपने आगोश में छुपा लो रानी.

बस ऐसा बोलते बोलते उसने अपने लंड का टोपा मेरी चुत पर रखा और कुछ गुस्से में बोला, जो मैं समझ नहीं पाई और एक ही स्ट्रोक में अपना पूरा हब्शी लौड़ा मेरी चुत में घुसेड़ दिया. मुझे लगा था कि ये लंड को धीरे धीरे अन्दर करेगा मगर उस जालिम ने तो चुत तो फाड़ कर ही रख दिया. मुझे लगा कि किसी ने जलती हुई लकड़ी मेरी चुत में घुसेड़ दी हो.

मैं दर्द से तड़फ रही थी और वो मेरे उस दर्द का मज़ा ले रहा था. अशोक बोला- माय डार्लिंग तू अब मुझसे पूरा महीना चुदेगी और कोई नहीं चोदेगा तुमको.

मैं कुछ ना बोली, वो लंड को चुत में डाल कर मेरे मम्मों और निप्पलों की मरम्मत करता रहा. मेरे मम्मे, निप्पल और चुत सिवाए तड़फने के कुछ नहीं कर सकते थे. मगर जब दूसरी बार उसने मुझे पूरी तरह से चोद लिया और पानी निकालने ही वाला था तो बोला- बोल कुतिया तेरी चुत को हरी-भरी कर दूं या चुपचाप इस अमृत को पिएगी ?
मैं बहुत डर गई थी इसलिए बोली- हां, पी लूंगी मगर प्लीज अन्दर ना करिए.

उसने जैसे ही अपना लौड़ा चुत से निकाला, वो पानी छोड़ने वाला ही था उसने झट से मेरे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुँह में लंड घुसा दिया. मेरा मुँह उसके लंड के रस से भर गया. जिसे मैं कड़वा घूँट समझ कर पी गई.
अशोक मेरे दूध मसल कर बोला- आह.. अब तुम लाइन पर आई हो.
मैं अब शांत थी.

अशोक- वैसे मुझे गांड मारने का शौक नहीं है.. मगर तुम्हारी मखमली गांड देख कर उस पर दिल बेईमान होता जा रहा है. कोई बात नहीं.. आज तो मैं तुम्हारी चुत का ही पुजारी हूँ.
दूसरी चुदाई जब खत्म हुई तो रात के 11.30 हो चुके थे.
अब वो बोला- जाओ जाकर चुत को अन्दर बाहर से धो लाओ.

मैंने बाथरूम जाकर चुत धोकर आ गई. जब मैं चुत धोकर आ रही थी.
वो कोई कीमती दारू की बॉटल फ्रिज से निकाल कर लाया और बोला- अब टांगें चौड़ी कर लो, जैसे डॉक्टर ने किया था.

मैंने टांगें चौड़ी कर लीं, तो उसने दारू की बॉटल में से एक पैग निकाल कर मेरी चुत को चौड़ा करके उसमें डाल दिया. मुझे चुत पर दारू बहुत ठंडी लग रही थी और साथ ही जलन भी हो रही थी, इसलिए मैं चुत इधर उधर आगे पीछे करने लगी.
वो हंसते हुए बोला- आया मज़ा.. अब मैं इसको सक करूँगा.

वो चुत चूसता और चाटता गया और मेरी क्लिट को दबा दबा कर चूसने लगा. मेरी चिकनी चुत के चारों तरफ अपनी जुबान फेरने लगा, तक यहाँ तक कि मेरे मम्मों के अंगूरों को भी चूसता रहा. मेरा जिस्म अकड़ने लगा तो वो समझ गया कि अब मैं ढीली होने वाली हूँ. सब कुछ छोड़ कर उसने चुत पर ध्यान दिया और जो रस चुत में से निकला वो चाट चाट कर पी गया. उसकी चुत चाटने की इस अदा मुझे बहुत सुहानी लगी थी और मैंने इसका भरपूर सुख लिया था.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके बाद बोला- अब एक ब्लू फिल्म देखेंगे.

हम दोनों डीवीडी पर फिल्म देखने लगे. वो मुझे अपनी गोद में बिठा कर मेरे मम्मों को और चुत को हाथों से सहलाता रहा. फिल्म के दौरान उसका खड़ा लंड मेरी गांड और चुत में हरकत करता रहा मेरी मुनिया फिर से लिसलिसी हो उठी थी.

जब फिल्म खत्म हो गई तो बोला कि तुम तो चुदवाने के लिए तैयार नहीं थीं फिर कैसे यह सब करने का इरादा कर लिया.
मैं बोली- वो सब छोड़ो.. मजबूरी की बात है.
उसने पूछा कि तुम कुसुम को कैसे जानती हो ?
मैंने कहा- वो हमारे ऑफिस में काम करती है.

यह सुन कर वो कुछ हैरान सा हो गया.
'ओह सॉरी.'
मैंने पूछा- क्यों ? सॉरी किसलिए ?
वो बोला- कुछ नहीं ऐसे ही. यह कुसुम तुम्हें कैसी लगती है ?
मैंने कहा- क्या बताऊं… मैंने कभी उसकी पर्सनल जिंदगी में झाँकने की कोशिश नहीं की.
उस पर वो बोला- मैं कुछ तुमको बताऊंगा मगर उस बात का कुसुम से किसी तरह का भी जिक्र नहीं होना चाहिए.
मैंने कहा- ओके.
वो बोला- ये पूरी लोमड़ी है. शिकार पर ध्यान देती है और जैसे ही मौका मिलता है, पंजे से झपट लेती है.
मैंने पूछा- आपको कैसे पता ?

आपको मेरी लिखी हुई स्टोरी कैसी लगी, आपकी भेजी हुई मेल्स मेरा हौंसला बढायेंगी.
xxxbhabi1990@gmai.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कहानी जारी है.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

दोस्त की साली की चुत चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम सैम है, मेरी उम्र 26 साल है, मैं औसत डीलडौल का गोरा चिट्टा लड़का हूँ और पिछले कई सालों से मैं दिल्ली में रहता हूँ। मैं कई सालों से अन्तरवासना का पाठक हूँ। मेरी पिछली कहानी बीवी […]
Full Story >>>

अप्रैल 2018 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको अप्रैल 2018 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं… कंजरी मंजरी की पहली चुदाई यह कहानी है 19-20 साल की एक लड़की मंजरी की जिसने कामवासना […]
Full Story >>>

खेत खलिहान-4

कहानी का पहला भाग : खेत खलिहान-1 कहानी की तीसरा भाग : खेत खलिहान-3 रेणु ने रोका,”ऐ, क्या करते हो।” सुरेश उसके स्तनों पर झुक गया। उनकी दोनों कलियों को चूमने और चूसने लगा। एक को चूसता तो दूसरे को हाथ से […]
Full Story >>>

देसी लड़की प्यार कामुकता और सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है और मैं दिल्ली का रहने वाला हूं। मैंने अन्तर्वासना पर कई कहानियां पढ़ी हैं, कुछ अच्छी भी लगी कुछ सिर्फ काल्पनिक भी लगी। पर ये सब कहानियां पढ़कर में भी अपनी जिंदगी का एक […]
Full Story >>>

मैं कॉलगर्ल कैसे बन गई-3

अब तक आपने पढ़ा था कि कुसुम ने मुझे रंडी बनने की ट्रेनिंग देना शुरू कर दी. उसने मुझे पीने के लिए एक शरबत दिया और बोली- डियर अब खुल कर सेक्सी वर्ड्स यूज करना सीख लो. तुम्हारी पहली क्लास […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

FSI Blog

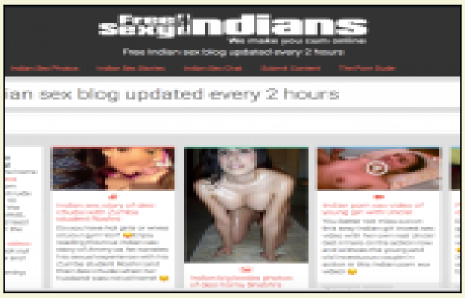

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Antarvasna

URL: www.antarvasnasexstories.com **Average traffic per day:** 480 000 GA sessions **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Desi Kahani

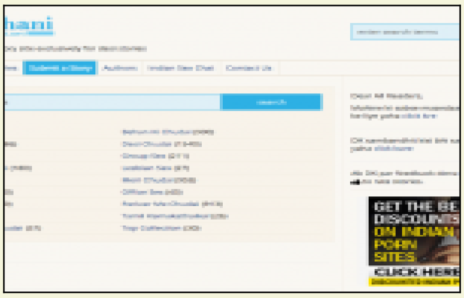

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire